भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

आशीष यादव ने अंडर 20 चैम्पियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया

Page-04

दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स, गोपालस्वामी नायडू के किरदार में छाए अभिनेता

Page-05

महाराष्ट्र की सियासत में बढ़ी हलचल

शरद पवार गुट के 8 सांसद PM मोदी से करेंगे मुलाकात

महाराष्ट्र की राजनीति से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। NCP के शरद पवार गुट के सभी 8 सांसद सोमवार, 10 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सांसदों की ओर से प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए समय मांगा गया है। पार्टी की लोकसभा ग्रुप लीडर सुप्रिया सुले ने इस बैठक को आधिकारिक बताया है।हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी और शरद पवार गुट के सांसदों के बीच होने वाली इस मुलाकात को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में कई तरह की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में इसे परिसीमन समेत सरकार के महत्वपूर्ण विधेयकों और भविष्य के राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इन अटकलों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।सुप्रिया सुले के मुताबिक, बैठक का मुख्य उद्देश्य सांसदों के कामकाज और उनके निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। ऐसे में पार्टी की ओर से फिलहाल इस मुलाकात को राजनीतिक गठजोड़ से जोड़कर नहीं देखा गया है।वहीं, संसद के मानसून सत्र में परिसीमन संशोधन विधेयक को लेकर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। सूत्रों के हवाले से सामने आई जानकारी के मुताबिक, अगर डीलिमिटेशन संशोधन विधेयक के तहत देश में लोकसभा सीटों की संख्या में करीब 50 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव आता है, तो NCP शरद पवार गुट इसका समर्थन कर सकता है।बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई सर्वदलीय बैठक में सीटों की संख्या बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई थी। इस चर्चा में NCP (शरद चंद्र पवार) के अलावा उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना, कांग्रेस और DMK की ओर से भी सहमति जताए जाने की बात सामने आई है।इस बीच महाराष्ट्र की राजनीति में दलों के भीतर टूट और पाला बदलने की चर्चाओं ने भी जोर पकड़ रखा है। हाल ही में उद्धव ठाकरे गुट के कुछ सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट के साथ जाने की खबरों के बाद अब NCP शरद पवार गुट को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।हालांकि, शरद पवार गुट की ओर से NDA के साथ किसी संभावित राजनीतिक समीकरण या पार्टी में टूट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी से होने वाली यह मुलाकात महाराष्ट्र की राजनीति में आगे की दिशा को लेकर अहम मानी जा रही है।

केरल में 'वंदे मातरम्' पर सियासी संग्राम पिनाराई विजयन ने सरकार के फैसले का किया विरोध

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन करने के बाद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक अब अपने गांव लेह-लद्दाख लौट गए हैं। लद्दाख की वापसी के दौरान उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर किया और भारतीय रेल की इस सेवा की तारीफ की। हालांकि, उनके इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर राजनीतिक बहस शुरू हो गई। वांगचुक ने अपने गांव पहुंचने के बाद वीडियो संदेश जारी कर आलोचकों को जवाब दिया और कहा कि किसी सुविधा या व्यवस्था की तारीफ को राजनीति के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर के दौरान जो अनुभव किया, उसके आधार पर उसकी तारीफ की है। उन्होंने उन लोगों को नसीहत दी, जो उनकी इस तारीफ को केंद्र सरकार के समर्थन या किसी राजनीतिक रुख से जोड़कर देख रहे हैं। वांगचुक का कहना है कि किसी अच्छी चीज की सराहना करना अलग विषय है और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना अलग।लद्दाख पहुंचने के बाद जारी अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी मांगें भी दोहराईं। उन्होंने केंद्र सरकार से उन लिखित वादों को पूरा करने की मांग की, जिनके आधार पर आंदोलन और अनशन खत्म कराया गया था। उनका कहना है कि सरकार को छात्रों और प्रदर्शनकारियों से किए गए आश्वासनों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें लागू करना चाहिए।वांगचुक ने छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, छात्रों की समस्याओं को सुनकर बातचीत के जरिए समाधान निकालना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश की जानी चाहिए।

प्रयागराज में राहुल गांधी का युवाओं पर जोर बोले– 'युवा और डेटा भारत की सबसे बड़ी ताकत'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रयागराज में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश के युवाओं को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक और डेटा जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के करीब 40 करोड़ युवा देश की ताकत और शान हैं और 21वीं सदी में भारत की अर्थव्यवस्था युवाओं की क्षमता और उनके डेटा के दम पर आगे बढ़ सकती है।राहुल गांधी ने कहा कि आज देश में शिक्षा की डिग्री और सर्टिफिकेट युवाओं को रोजगार दिलाने में अपेक्षित मदद नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि परिवार बच्चों की पढ़ाई पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन पढ़ाई पूरी होने के बाद भी युवाओं के सामने नौकरी का संकट बना रहता है।उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं का भी मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों का खामियाजा मेहनत करने वाले छात्रों को भुगतना पड़ता है और आर्थिक रूप से सक्षम छात्रों को इसका फायदा मिलता है।AI और डेटा को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के डेटा के बिना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि डेटा से AI बनाया जा सकता है, लेकिन AI से डेटा तैयार नहीं किया जा सकता।राहुल गांधी ने युवाओं के सामने रोजगार के सीमित विकल्पों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं की क्षमता और डेटा का इस्तेमाल बड़ी कंपनियां कर रही हैं, जबकि युवाओं को स्थायी रोजगार के बजाय अस्थायी काम और सोशल मीडिया कंटेंट की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार और अपनी क्षमता का इस्तेमाल करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

CJP ने दिया समर्थन

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों का आंदोलन तेज

झारखंड की राजधानी रांची में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रदर्शनकारी छात्र 14वीं JPSC परीक्षा, JSSC-CGL और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग कर रहे हैं। छात्रों की प्रमुख मांगों में परीक्षाओं को रद्द करना, पूरे मामले की CBI जांच कराना और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है।शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक प्रतिनिधिमंडल भी रांची पहुंचा और आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रति समर्थन जताया। CJP के प्रतिनिधियों ने कहा कि पार्टी छात्रों की मांगों के समर्थन में उनके साथ खड़ी है। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि छात्रों के आंदोलन को हरसंभव समर्थन दिया जाएगा।CJP के राष्ट्रीय समन्वयक मुकेश ने कहा कि संगठन के प्रतिनिधि छात्रों के साथ अपने आंदोलन के अनुभव साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही पार्टी मंच से सीधे आंदोलन का नेतृत्व न करे, लेकिन छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक छात्रों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक CJP अपना समर्थन जारी रखेगी।CJP प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी छात्रों के समर्थन में पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि पार्टी झारखंड के छात्रों के साथ पूरी तरह एकजुट है और प्रतिनिधिमंडल आंदोलन के दौरान छात्रों का समर्थन करने के लिए रांची पहुंचा है।वहीं, भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के आरोपों को लेकर छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार छात्रों की मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।प्रदर्शनकारी छात्रों की मांग है कि 14वीं JPSC और JSSC-CGL परीक्षाओं को रद्द किया जाए, कथित अनियमितताओं की CBI जांच कराई जाए और

OMR शीट तथा उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक की जाएं। झारखंड सरकार का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात के दौरान मामले में जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया है। हालांकि, छात्रों के आंदोलन के बीच सरकार पर जल्द और पारदर्शी कार्रवाई का दबाव बढ़ता जा रहा है।

मोहनलाल ने शो में शामिल न हो पाने के लिए मांगी माफी

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में होने वाले एक स्टेज शो के आयोजकों और उसमें हिस्सा लेने वालों से माफी मांगी। वह वीजा न मिल पाने के कारण इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। सिंगापुर में रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो मैसेज में मोहनलाल ने कार्यक्रम में शामिल न हो पाने पर निराशा जताई और कहा कि वह इस स्थिति के लिए किसी को दोष नहीं देना चाहते। दरअसल, मोहनलाल के सिडनी न जा पाने के कारण यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने अपने फैंस से एक वादा भी किया है। मोहनलाल ने बताया कि उन्होंने इस साल अमेरिका, जर्मनी, यूके और आयरलैंड में शो किए थे और सिडनी वाले इवेंट का प्लान भी बहुत अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ बनाई गई थी। मोहनलाल ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं आपसे सिंगापुर से बात कर रहा हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि अपना दुख कैसे जाहिर करूं। मैं बहुत दुखद स्थिति में हूं। फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए मुझे लगभग 50 साल हो चुके हैं। शायद मैं भारत का ऐसा एक्टर हूं, जिसने सबसे ज्यादा शो किए हैं। मेरे साथ केएस चित्रा समेत सभी लोग वहां मौजूद हैं, लेकिन पता नहीं कैसे ऐसे हो गया।

UPI यूजर्स के लिए बड़ी राहत

UPI पर नहीं लगेगा ट्रांजैक्शन चार्ज, MDR को लेकर सरकार ने दूर किया भ्रम

यूपीआई से पेमेंट करने वाले करोड़ों यूजर्स के लिए सरकार ने बड़ी राहत दी है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यूपीआई के जरिए पैसे भेजने या प्राप्त करने वाले लोगों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने यह भी साफ किया कि भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी MDR लागू किया जाता है, तो यह सभी कारोबारियों पर एक साथ नहीं लगाया जाएगा। इसे केवल तय सीमा से अधिक वाले चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर ही मामूली दर से लागू करने पर विचार किया जा सकता है।वित्त मंत्रालय के मुताबिक, Person-to-Person यानी P2P यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कोई MDR नहीं लगाया जाएगा। इसका मतलब है कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को यूपीआई के जरिए पैसे भेजता है तो उस लेनदेन के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इससे रोजमर्रा के डिजिटल भुगतान करने वाले लोगों को राहत

मिलेगी।सरकार ने कारोबारियों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। मंत्रालय ने कहा कि मर्चेंट्स पर किसी तरह का व्यापक या blanket MDR लागू करने की योजना नहीं है। यदि भविष्य में MDR लागू करने की जरूरत महसूस होती है, तो यह केवल कुछ चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन तक सीमित रहेगा। इसके लिए एक निश्चित सीमा तय की जाएगी और शुल्क की दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से होने वाले लेनदेन पर लागू MDR की तुलना में काफी कम रखी जा सकती है। सरकार की यह सफाई Payment and Settlement Systems Act, 2007 में प्रस्तावित बदलाव को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच सामने आई है। संशोधन को लेकर ऐसी चर्चा थी कि इसके बाद यूपीआई इस्तेमाल करने वाले लोगों पर भी शुल्क लगाया जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने इन आशंकाओं को दूर करते हुए कहा कि प्रस्तावित बदलाव का उद्देश्य यूपीआई इकोसिस्टम को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखना है।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

यमन में फिर भड़का संघर्ष, हूती ठिकानों पर सेना का बड़ा सैन्य अभियान; कई मोर्चों पर कार्रवाई

यमन में सेना और हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सरकारी बलों ने कई मोर्चों पर जवाबी सैन्य अभियान शुरू किया है।मारिब और हद्रामौत में हुई हालिया हिंसा के बाद सेना ने हूतियों को आगे किसी भी हमले पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यमन में सरकार समर्थित सेना और हूती विद्रोहियों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। यमनी सेना ने शनिवार को कई मोर्चों पर हूती ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की। सेना के मुताबिक, यह कार्रवाई मारिब और हद्रामौत प्रांतों में हूती मिलिशिया की ओर से हाल में किए गए हमलों के जवाब में की गई है। बढ़ते तनाव के बीच यमनी सेना ने हूतियों को आगे किसी भी सैन्य कार्रवाई को लेकर कड़ी चेतावनी भी दी है।सरकारी ब्रॉडकास्टर यमन टीवी पर जारी बयान में सेना के प्रवक्ता कर्नल माजिद अल-नुजैली ने कहा कि सैन्य अभियान यमन की सेना के अपने जवानों और आम नागरिकों की सुरक्षा के अधिकार के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हूती मिलिशिया लगातार हमले कर रही है, जिनमें सैनिकों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जान जा रही है।अल-नुजैली के अनुसार, हाल के हमलों में सेना के जवानों और नागरिकों को नुकसान पहुंचा है।इसके बाद सरकार समर्थित बलों ने कई मोर्चों पर एक साथ जवाबी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि यमनी सेना ने उन इलाकों में हूती लड़ाकों और उनकी सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया, जहां दोनों पक्षों के बीच सीधा टकराव चल रहा है।यमनी सेना के प्रवक्ता ने इस अभियान को सेना की एकजुट कमान और नियंत्रण क्षमता का संकेत बताया। साथ ही उन्होंने हूतियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार समर्थित सेना के किसी एक मोर्चे या सैन्य सेक्टर पर किया गया हमला पूरे देश में मौजूद सरकारी बलों के सभी मोर्चों पर हमला माना जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब व्यापक और निर्णायक सैन्य कार्रवाई के जरिए दिया जाएगा।अल-नुजैली ने यमन के नागरिकों और कबीलों से भी सरकार समर्थित बलों का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों को दोबारा मजबूत करने और देश में स्थिरता बहाल करने के लिए जनता का सहयोग जरूरी है।सेना के प्रवक्ता ने हूती मिलिशिया पर देश के संसाधनों और संपत्तियों के कथित दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि हूती अवैध तरीके से कर वसूल रहे हैं, जिससे यमन की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने हूतियों पर देश को क्षेत्रीय संघर्षों में धकेलने और बाहरी एजेंडे के लिए काम करने का आरोप भी लगाया।यमन में लंबे समय से जारी संघर्ष के बीच सेना और हूतियों के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। हालिया घटनाक्रम ने एक बार फिर संकेत दिया है कि यमन में संघर्ष अभी समाप्त होने से दूर है और आने वाले दिनों में स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी रहेगी।

IRGC का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना अमेरिका पर निर्भर है

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। आईआरजीसी ने कहा है कि ईरान-ओमान समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खुलने वाला है। इसके लिए अमेरिका को ईरान की सभी शर्तें माननी होंगी। इसे अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो पिछले कई दिनों से इस समझौते का इंतजार कर रहा है। अमेरिका इस समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने का भी दावा कर रहा है। ईरान-ओमान समझौते से नहीं खुलेगा होर्मुज? ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के प्रवक्ता सरदार मोहेबी का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना ईरान की "खास प्रक्रियाओं और शर्तों" पर निर्भर है, और इसका ओमान के साथ चल रही बातचीत से कोई लेना-देना नहीं है। मोहेबी ने बताया, "हमारे लिए, होर्मुज जलडमरूमध्य सिर्फ व्यापार का रास्ता नहीं है, बल्कि यह भौगोलिक और रणनीतिक ताकत का एक हिस्सा है।" प्रवक्ता ने आगे कहा कि इस जलमार्ग को खोलना इस बात पर निर्भर करता है कि अमेरिका "ईरान की शर्तों को पूरी तरह माने और क्षेत्रीय बातचीत में दखल देना बंद करे"। उन्होंने कहा, "जब भी अमेरिका ईरान की शर्तों को मान लेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य निश्चित रूप से खुल जाएगा।"

उत्तराखंड की महिला को मिला लंबे बालों वाली महिला' का गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड

सुंदरगढ़ में 2 बाइक सवारों ने युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। लहुणीपाड़ा थाना क्षेत्र के गणिघषा गांव में एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगा है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, कान्हू चरण महांत शनिवार सुबह पास के एक नाले की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कथित तौर पर दो बाइकसवार लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि इन लोगों ने कान्हू चरण के शरीर पर पेट्रोल डाल दिया और इसके बाद आग लगा दी। आग लगने के बाद कान्हू चरण मदद के लिए चिल्लाने लगे। कान्हू चरण की चीख सुनकर आसपास के कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें बचाया और तत्काल इलाज के लिए लहुणीपाड़ा अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए राउरकेला के इस्पात जनरल अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कान्हू चरण की पत्नी ने इस हमले के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद होने का आरोप लगाया है। कान्हू की पत्नी पद्मा महांता के अनुसार, उनकी जमीन पर उनके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर बिना अनुमति के एक पेट्रोल पंप लीज पर दे दिया था। इस मामले की जानकारी हासिल करने के लिए कान्हू चरण ने कथित तौर पर आरटीआई के जरिए जानकारी मांगी थी। पद्मा का कहना है कि आरटीआई आवेदन के बाद इस मामले को लेकर विवाद बढ़ गया था। इसी जमीन और पेट्रोल पंप से जुड़े विवाद के कारण कान्हू चरण पर हमला किए जाने की आशंका परिवार ने जताई है। परिवार की ओर से लगाए गए इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद लहुणीपाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से एक माचिस की डिब्बी, पेट्रोल से भरी एक बोतल और एक जोड़ी चप्पल बरामद की है। इन्हें जांच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटनास्थल पर वास्तव में क्या हुआ और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

UN जिनेवा में भारत की 'मोर डिप्लोमेसी' 5 नए मोर पहुंचे

नेवा में भारत की ओर से उपहार में दिए गए 5 नए मोर पहुंचे हैं। इन मोरों को स्विट्जरलैंड स्थित 'पैलेस ऑफ नेशंस' के परिसर में रखा गया है। भारत की ओर से यह गिफ्ट संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और एक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाता है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने इसे भारत और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी का एक नया आयाम बताया है। मिशन ने X पर लिखा, 'साझेदारी का एक और आयाम। भारत ने UN जिनेवा को 5 युवा मोर उपहार में दिए हैं। राष्ट्रीय पक्षी होने के कारण मोर हर भारतीय के दिल में खास जगह रखते हैं।' संयुक्त राष्ट्र जिनेवा ने भी भारत के इस गिफ्ट का स्वागत किया। UN जिनेवा ने X पर लिखा, 'पांडा डिप्लोमेसी को भूल जाइए। 5 युवा मोर UN जिनेवा पहुंच गए हैं। ये भारत की ओर से दिया गया गिफ्ट हैं और उस परंपरा को जारी रखते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी है। जिनेवा के इन सबसे नए और सबसे शानदार 'राजनयिकों' से मिलिए।' बता दें कि चीन अपनी पांडा डिप्लोमेसी के लिए जाना जाता है। वहीं, इन 5 मोरों की बात करें तो इनमें 4 नीले मोर और एक दुर्लभ सफेद नर मोर है। इन्हें लाने का मुख्य उद्देश्य UN जिनेवा परिसर में मोरों की संख्या को फिर से बढ़ाना है। यहां मोरों की आबादी घटकर केवल एक पक्षी तक रह गई थी। नए मेहमानों को फिलहाल एरियाना पार्क में बनाए गए एक अस्थायी और बड़े पक्षीघर में रखा गया है। यहां वे अपने नए वातावरण के अभ्यस्त होंगे। करीब 3 महीने बाद उन्हें परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति दी जाएगी। U N जिनेवा की महानिदेशक तातियाना वालोवाया ने कहा, हम 5 नए मोरों का स्वागत करके बहुत खुश हैं। इनमें 4 नीले और एक सफेद मोर है, जो संयुक्त राष्ट्र के पारंपरिक नीले और सफेद रंगों से भी मेल खाते हैं। हमने उनके लिए एक अस्थायी घर बनाया है।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान की ट्रंप-नेतन्याहू को चेतावनी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि ईरान का सरेंडर करने की अमेरिका की मांग सिर्फ एक सपना है। पेजेशकियान ने कहा कि यह युद्ध ईरान ने शुरू नहीं किया है, जिसने यह युद्ध शुरू किया है, वही खत्म करेगा। ईरान ने अपने विरोधियों की उन सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है, जिनका एक ही मकसद था सैन्य दबाव के जरिए ईरान को कमजोर करना। हम पर इतने हमले हुए लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी ईरान आज एक मजबूत देश के रूप में खड़ा है। हम ना झुकेंगे और ना ही किसी से डरेंगे।पेजेशकियान ने शुक्रवार को ईरानी सरकारी टीवी पर दिए गए अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, हमने युद्ध की शुरुआत नहीं की और युद्ध से पहले ईरानी सरकार बातचीत के जरिए इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हालात धीरे-धीरे युद्ध की ओर बढ़ गए। विरोधियों को उम्मीद थी कि देश में सैन्य

दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ।पेजेशकियान ने दावा किया कि ईरान अपने रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ेगा और पहले से ज्यादा मजबूत होगा।पेजेशकियान ने ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई के बारे में बताया कि उनसे अभी बातचीत करना बहुत मुश्किल है, लेकिन खामेनेई की मौजूदगी ईरान की सबसे बड़ी ताकत है। पेजेशकियान ने दावा किया कि उनके विरोधियों ने सीरिया की तरह 48 घंटे में ईरान पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन ईरान ने उनकी प्लानिंग पर पानी फेर दिया और मौजूदा परिस्थितियों ने यह साबित कर दिया है कि कोई भी ईरान को इतनी आसानी से कमजोर या अस्थिर नहीं कर सकता है। ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई को लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं। इजरायल ने उनके स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की बातें की हैं, क्योंकि मुज्तबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि ईरान इसके पीछे सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी कारण बताता है।

संपादक की कलम से

महिला आरक्षण का मुद्दा भारतीय राजनीति में नया नहीं है, लेकिन संसद से कानून पारित होने के बाद भी इसके प्रभावी क्रियान्वयन का इंतजार लोकतंत्र के लिए गंभीर सवाल खड़े करता है। 2023 में महिला आरक्षण विधेयक का संसद से पारित होना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक कदम था। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। लेकिन कानून बनने के बाद इसके लागू होने की प्रक्रिया अभी भी जनगणना और परिसीमन जैसे चरणों से जुड़ी हुई है।इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बीच हुई बयानबाजी ने एक बार फिर महिला आरक्षण को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। रिजिजू ने कांग्रेस से कानून के बिना शर्त समर्थन की बात कही, तो राहुल गांधी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पहले ही इस कानून का समर्थन कर चुकी है और सरकार को इसे लागू करना चाहिए। दोनों पक्षों की अपनी-अपनी राजनीतिक दलीलें हो सकती हैं, लेकिन असली सवाल इससे कहीं बड़ा है।सवाल यह है कि देश की आधी आबादी को राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व कब मिलेगा?महिला आरक्षण केवल संसद या विधानसभा में सीटों की संख्या बढ़ाने का विषय नहीं है। यह उस व्यवस्था को बदलने का प्रयास है, जिसमें लंबे समय तक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सीमित रही है। स्थानीय निकायों में आरक्षण ने यह दिखाया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभा सकती हैं। अब यही भागीदारी राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीति में भी मजबूत किए जाने की जरूरत है।सरकार के सामने जनगणना और परिसीमन जैसी संवैधानिक प्रक्रियाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी है। विपक्ष का सवाल है कि इन प्रक्रियाओं के बीच महिला आरक्षण को अनिश्चित भविष्य के लिए टाला क्यों जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को इस मुद्दे पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर स्पष्ट समयसीमा और पारदर्शी रोडमैप सामने रखना चाहिए।महिला सशक्तिकरण केवल नारों, भाषणों और चुनावी घोषणाओं से संभव नहीं होगा। राजनीतिक दलों को अपने संगठन और चुनावी टिकट वितरण में भी महिलाओं को वास्तविक हिस्सेदारी देनी होगी। संसद में कानून बनाना पहला कदम है, लेकिन उसका समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन ही उसकी वास्तविक सफलता तय करेगा।महिला आरक्षण पर बहस का उद्देश्य एक-दूसरे को घेरना नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक बनाना होना चाहिए। देश की महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी का अधिकार किसी राजनीतिक दल की कृपा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक समानता का सवाल है। इसलिए अब जरूरत बयानबाजी की नहीं, बल्कि कानून को जमीन पर उतारने की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति की है।

महिला आरक्षण बिल पर राहुल गांधी और किरेन रिजिजू आमने-सामने

महिला आरक्षण कानून को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत किरेन रिजिजू के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से महिला आरक्षण कानून का बिना किसी शर्त के समर्थन करने की अपील की। इसके जवाब में राहुल गांधी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पहले ही महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन कर चुकी है और अब सरकार को 2023 में पारित कानून को लागू करना चाहिए।किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी के रुख को कांग्रेस की ओर से एक सकारात्मक संदेश बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति राहुल गांधी की सोच में स्पष्ट बदलाव दिखाई दे रहा है। रिजिजू ने उम्मीद जताई कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण विधेयक का बिना किसी शर्त के समर्थन करेगी।रिजिजू के इस बयान के तुरंत बाद राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया के जरिए जवाब दिया। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते रिजिजू इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने उस कानून का पूरा समर्थन किया था।राहुल गांधी ने सरकार से सवाल किया कि जब महिला आरक्षण कानून 2023 में ही पारित हो गया था, तो करीब तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया। उन्होंने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने पर भी सवाल उठाया। राहुल गांधी के मुताबिक, महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए परिसीमन का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने सरकार से साफ शब्दों में कहा कि 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू किया जाए।दरअसल, महिला आरक्षण कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, इसके लागू होने की प्रक्रिया परिसीमन और जनगणना से जुड़ी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस लगातार तेज होती रही है।इससे पहले राहुल गांधी ने महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं के भीतर काफी ऊर्जा है, लेकिन उन्हें अपनी बात रखने और अपनी कल्पनाओं को सामने लाने की पूरी आजादी नहीं मिल पाती।राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी देश तब तक पूरी तरह सफल नहीं हो सकता, जब तक उसकी महिलाएं स्वतंत्र रूप से खुद को अभिव्यक्त नहीं कर पातीं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की भागीदारी को अपनी राजनीति का अहम हिस्सा बताया।

विपक्षी दलों पर भड़क उठे किरेन रिजिजू कहा कि जवाब आप सुन नहीं पाएंगे

संसद के मॉनसून सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में विपक्ष का हंगामा लगातार जारी है। हंगामे के कारण बार-बार संसद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ रही है। गतिरोध दूर करने की सरकार की अब तक की हर कोशिश नाकाम रही है। विपक्ष राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा चाहता है। गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ तौर पर कहा है कि सदन में जिस मंत्री का काम होता है, वही जवाब देते हैं। विपक्ष यह तय नहीं करेगा कि कौन सा मंत्री कब आएगा। यह विपक्ष तय नहीं करता है। किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए ये भी कहा है कि जब गृह मंत्री अमित शाह सदन में जवाब देंगे तो विपक्ष उसे सुन नहीं पाएगा। संसद में हंगामे के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर कड़ा हमला बोला। रिजिजू ने कहा- "नारेबाजी करना और हंगामा करना विपक्ष की आदत बन गई है। गृह मंत्री अमित शाह का नाम सुनते ही चरमपंथी और आतंकवादी भी कांप उठते हैं। जिस दिन गृह मंत्री सदन में अपना बयान देंगे, उस दिन विपक्ष की मुश्किलें बढ़ जाएंगी आप उनका जवाब सुन नहीं पाएंगे। सदन में जिस मंत्री का काम होता है, वही जवाब देते हैं। विपक्ष यह तय नहीं करेगा कि कौन सा मंत्री कब आएगा। यह विपक्ष तय नहीं करता है।" किरेन रिजिजू ने कहा, "सरकार के पास कई ऐसे महत्वपूर्ण बिल है, जिन्हें हम लेकर आ रहे हैं। मैं फिर से अपील करता हूं। कांग्रेस पार्टी के नए सांसद जो चुनकर आए हैं, उन्हें बोलने का मौका ही नहीं मिलता है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है?

महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है? पार्टी नेतृत्व और चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को बदलने की अटकलों ने पार्टी के भीतर हलचल बढ़ा दी है। हालांकि, NCP नेता दत्तात्रय भरणे ने तटकरे को हटाने की चर्चा को महज अटकल बताया है। वहीं खुद तटकरे ने पार्टी को चुनावी रणनीतिकार की जरूरत होने पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशांत किशोर ने गुरुवार को एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, उनके बड़े बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार से मुलाकात की। सुनेत्रा पवार के दूसरे बेटे जय भी बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे। बैठक के बाद ऐसी खबरें सामने आईं कि किशोर ने पार्टी को महाराष्ट्र में मजबूत करने के लिए संगठन में बदलाव की सलाह दी और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को बदलने की बात कही। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एनसीपी नेता और राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने कहा कि प्रशांत किशोर पार्टी के चुनावी रणनीतिकार हैं, लेकिन उन्होंने तटकरे को हटाने का कोई सुझाव नहीं दिया है। उनके मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष को हटाए जाने की बात फिलहाल सिर्फ अफवाह है। विवाद के बीच सुनील तटकरे ने प्रशांत किशोर की नियुक्ति और पार्टी को चुनावी रणनीतिकार की जरूरत पर ही सवाल उठा दिया। तटकरे ने कहा कि वह जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेता हैं और उन्हें चुनावी रणनीतिकार की जरूरत महसूस नहीं होती। तटकरे ने यह भी सवाल उठाया कि अगर प्रशांत किशोर पहले से ही एक राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं तो उन्हें किसी दूसरी पार्टी का चुनावी रणनीतिकार कैसे बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी नियुक्ति की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।तटकरे के इस बयान से एनसीपी के भीतर मतभेद की चर्चाएं और तेज हो गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में महत्वपूर्ण फैसले सामूहिक नेतृत्व के जरिए लिए जाते हैं और किसी एक व्यक्ति के स्तर पर ऐसे निर्णय नहीं किए जाते। यही शरद पवार के समय से चलता आ रहा है। यही अजित दादा भी करते थे। इस बीच, एनसीपी नेता रूपाली ठोंबरे ने भी प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सुनील तटकरे को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए करीब दो से तीन साल हो चुके हैं, इसलिए अब संगठन में बदलाव किया जाना चाहिए।

उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसदों की मुलाकात को लेकर तीखा हमला बोला

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसदों की मुलाकात को लेकर तीखा हमला बोला है। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के पास आंदोलन कर रहे युवाओं-छात्रों से मिलने का समय नहीं है, लेकिन बागी सांसदों से मिलने के लिए उनके पास वक्त है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन सांसदों से मुलाकात के दौरान उन्हें कहा कि 'डरिए मत, मैं आपके साथ हूं'। दरअसल इन सांसदों में वह भी शामिल थे जो बीते जून महीने में उद्धव का साथ छोड़ शिंदे खेमे में शामिल हुए। उद्धव ठाकरे ने इस मुलाकात को लेकर कई सवाल उठाए और कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश आखिर किसके लिए था? जब अदालत में सुनवाई चल रही थी, तब आपको बागी सांसदों से मिलने की क्या जरूरत थी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि युवाओं और छात्रों के आंदोलन को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो महीनों से दुनिया भर में भारत की जेन-जी पीढ़ी के आंदोलन की चर्चा है। ठाकरे के मुताबिक, सरकार को इन युवाओं का समर्थन करना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय आंदोलनकारी छात्रों पर कथित तौर पर अत्याचार किया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठियां चलाई गईं और उनके साथ ज्यादती की गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे बातचीत करने के लिए तैयार नहीं हैं। उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह भी छात्रों से बात करने की पहल नहीं कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह बागी सांसदों को 'मैं तुम्हारे साथ हूं' का भरोसा दिया, वही बात उन्हें आंदोलन कर रहे युवाओं से कहनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'छात्र आंदोलकों पर अत्याचार किए गए, उन पर लाठियां चलाई गईं। उन्हें मिलने के लिए प्रधानमंत्री के पास समय नहीं है। लेकिन बागी सांसदों से मिलकर प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि मैं आपके साथ हूं। वास्तव में यह वाक्य उन्हें आंदोलन कर रहे युवाओं से कहना चाहिए था।' ठाकरे ने दावा किया कि छात्रों के आंदोलन से निपटने के तरीके के कारण कुछ लोगों को ऐतिहासिक जलियांवाला बाग हत्याकांड की याद तक आई। उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी और शिंदे गुट के सांसदों की मुलाकात को लेकर एक और बड़ा

सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुंबई में थे, उसी दौरान शिंदे गुट के सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। ठाकरे ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री का 'डरिए मत, मैं आपके साथ हूं' वाला संदेश आखिर किसके लिए था? उन्होंने पूछा कि क्या यह संदेश सर्वोच्च न्यायालय के लिए था, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए था या फिर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के लिए? उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री और शिंदे गुट के सांसदों की मुलाकात से जुड़ी खबरें देशभर के अखबारों में छपी।

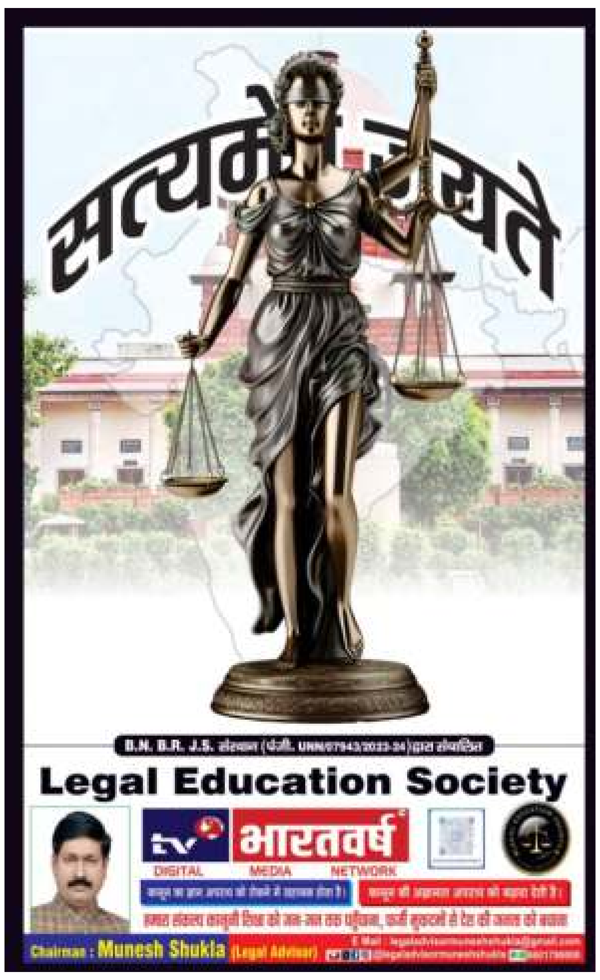

अमेरिका में भारतीय छात्रों की बढ़ सकती है मुश्किल OPT के लिए 1 लाख डॉलर फीस का प्रस्ताव

अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के लिए बुरी खबर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार पढ़ाई के बाद जॉब के लिए मिलने वाले ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (OPT) को लेकर ऐसा फैसला लेने की तैयारी कर रही है, जो उनके करियर को खतरे में डाल सकता है। अगर ट्रंप सरकार ने ये फैसला लिया, तो फिर लाखों भारतीयों के लिए अमेरिका में पढ़ाई के बाद नौकरी करके करियर बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप सरकार एक ऐसी योजना पर विचार कर रही है, जिसके तहत ग्रेजुएशन के बाद देश में रहने और काम करने के लिए विदेशी स्टूडेंट्स से 1 लाख डॉलर (लगभग 95 लाख रुपये) लिए जाएंगे। यह कदम उन स्टूडेंट वीजा होल्डर्स के लिए बहुत बुरा साबित हो सकता है जो पहले से ही हालिया इमिग्रेशन सख्ती की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इस फैसले से वो हजारों भारतीय भी प्रभावित होंगे, जो ग्रेजुएट होने वाले हैं। O P T से जुड़े इस मामले की जानकारी रखने वाले शख्स ने नाम न बताने की शर्त पर अंदरूनी चर्चाओं के बारे में बात की। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल OPT को लेकर पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होने वाला है, लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। अगर इसे लागू किया जाता है, तो इस

फीस की वजह से कई छात्र पोस्ट-ग्रेजुएट वीजा एक्सटेंशन का फायदा नहीं उठा पाएंगे। 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (O P T) नाम का यह एक्सटेंशन, अमेरिका में विदेशी छात्रों के लिए बहुत जरूरी है। इसके तहत, स्टूडेंट वीजा होल्डर्स को अपनी डिग्री से जुड़ी फील्ड में जॉब की इजाजत मिल जाती है। अमेरिका में OPT क्या है?

O P T F-1 वीजा होल्डर्स के लिए अमेरिकी डिग्री के बाद मिलने वाला वर्क परमिट है।

OPT पर आमतौर पर 12 महीने तक काम करने की कानूनी इजाजत मिलती है।

साइंस व टेक डिग्री होल्डर को STEM एक्सटेंशन के तहत 24 महीने का एक्स्ट्रा टाइम मिलता है।

OPT पर पढ़ाई से सीधे जुड़े क्षेत्र में ही नौकरी करना जरूरी होता है।

कोर्स पूरा होने से पहले USCIS में तय समय पर OPT के लिए अप्लाई करना जरूरी होता है।

ट्रंप सरकार के अधिकारियों ने खास तौर पर OPT को निशाना बनाया है। उनका कहना है कि इससे वीजा फ्रॉड और तय समय से ज्यादा समय तक रुकने (ओवरस्टे) जैसी समस्याएं होती हैं। 'इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन' के मुताबिक, पिछले फॉल इनटेक तक O P T पर लगभग 3,00,000 विदेशी छात्र थे, जो अमेरिका में विदेशी छात्रों की कुल संख्या का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है।

विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे, सर्वे में शामिल 81% छात्रों ने कहा कि वे वापस आना चाहते हैं

जब कोई भारतीय छात्र विदेश में पढ़ने की प्लानिंग करता है, तो वो सिर्फ डिग्री लेने नहीं जा रहा होता है। कहीं न कहीं उसका इरादा डिग्री लेकर पहले वहां जॉब करना होता है और फिर समय के साथ वहीं बस जाना भी होता है। भारत में लोग विदेश में पढ़ाई को वहीं बसने का एक रास्ता भी मानते हैं। तभी तो हर साल लाखों भारतीय स्टूडेंट्स पराए मुल्कों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही ऐसे हैं, जो वापस लौटकर आते हैं। हालांकि, समय के साथ चीजें बदल रही हैं और हायर एजुकेशन सेक्टर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारतीय स्टूडेंट सिर्फ विदेश में पढ़ाई करने ही जाना चाहते हैं और डिग्री मिलने के साथ ही वे भारत लौटकर आना चाहते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि एक सर्वे में ये रिजल्ट सामने आया है। इससे ये मालूम चलता है कि भारतीयों के लिए विदेश में पढ़ाई भले ही पॉपुलर है, लेकिन उन्हें अपना देश भी प्यारा है। ऑक्सफर्ड इंटरनेशनल के एक सर्वे में पाया गया है कि विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे ज्यादातर भारतीय छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटने की उम्मीद रखते हैं। सर्वे में शामिल 81% छात्रों ने कहा कि वे वापस आना चाहते हैं। लगभग 10 में से 9 लोगों ने बताया कि वे अपने परिवार में विदेश में पढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति थे, जबकि लगभग आधे लोगों ने कहा कि विदेश में पढ़ने का फैसला उनका अपना था।

ऋषभ पंत ने सीएम से आधी रात को लगाई मदद की गुहार पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट करके दिया भरोसा

जेमिमा रोड्रिग्स हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण द हंड्रेड से हुई बाहर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अभी कई प्रमुख खिलाड़ी इंग्लैंड में खेली जा रही फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट द हंड्रेड में हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें एक नाम जेमिमा रोड्रिग्स का भी शामिल है जो सदर्न ब्रेव की तरफ से खेल रही हैं। जेमिमा को लेकर सदर्न ब्रेव फ्रेंचाइजी ने 8 अगस्त को दी जानकारी में बताया की वह हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनकी जगह पर स्क्वाड में ऑलराउंडर खिलाड़ी चार्ली नॉट को शामिल किया गया है। जेमिमा की इस इंजरी ने टीम इंडिया की भी टेंशन को महिला एशिया कप 2026 से ठीक पहले बढ़ा दिया है, जिसमें उनके इस टूर्नामेंट से भी बाह होने की अंदेशा जताया जा रहा है। महिला एशिया कप 2026 से पहले जेमिमा रोड्रिग्स की इंजरी के चलते उनके खेलने पर संशय की स्थिति बन गई है। वहीं यदि जेमिमा बाहर होती हैं तो टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर पर इसका असर देखने को मिल सकता है। द हंड्रेड के मौजूदा सीजन में सदर्न ब्रेव की तरफ से खेलते हुए जेमिमा का बल्ले से शानदार फॉर्म देखने को मिला, जिसमें उन्होंने 6 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 35.75 के औसत से 143 रन बनाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 131.19 का देखने को मिला था। रोड्रिग्स की हैमस्ट्रिंग चोट कितनी गंभीर है, इसका अभी पता नहीं चला है और ऐसा हो

सकता है कि उनकी फिटनेस बनाए रखने और चोट को और बढ़ने से रोकने के लिए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया हो। दुबई में इस बार महिला एशिया कप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 22 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान सहित कुल 8 टीमें हिस्सा रही हैं, जिनको चार-चार के दो ग्रुपों में बांटा गया है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला ग्रुप-ए में 30 अगस्त को थाईलैंड की टीम के खिलाफ खेलना है, जबकि दूसरे मुकाबले में उनकी भिड़ंत हांगकांग की टीम से 3 सितंबर को होगी और ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया पाकिस्तान की टीम का सामना करेगी जिसमें ये मुकाबला 5 सितंबर को खेला जाएगा।

वार्म-अप मैच में देवदत्त पड्डिकल का शतक

भारत ने नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में जारी तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दूसरे दिन की समाप्ति तक भारत ने अपनी पहली पारी में 6 विकेट खोकर 357 रन बना लिए हैं। मेहमान टीम मेजबान टीम की पहली पारी से सिर्फ 6 रन पीछे है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने अपनी पहली पारी 363/8 के स्कोर पर घोषित की। निशान मदुष्का और रविंदु रसनथा ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। निशान 12 बाउंड्री के साथ 66 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद रविंदु ने पसिंदु सूरियाबंदारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 171 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में भारत को पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (0) के रूप मे झटका लगा। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी करते हुए भारत को संभाला। केएल राहुल 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। भारत की तरफ से इस पारी में देवदत्त पड्डिकल ने 18 चौकों के साथ नाबाद 142 रन बना लिए हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा 63 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। मानव सुथार ने 41 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि विश्वा फर्नांडो और केशरा नुवानथा 1-1 विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

आशीष यादव ने अंडर 20 चैम्पियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैम्पियनशिप में पुरूषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। यादव ने तीसरे दौर में 74 . 09 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी धरणीधरन 72 . 35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतिस्पर्धा में 74 . 49 मीटर का थ्रो फेंका था। 19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86 . 48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80 . 50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं

डोमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला जिन्होंने 73 . 89 मीटर का थ्रो फेंका था। एक दिन पहले पुरुषों की 400 मीटर हीट के पहले दौर में अंडर 20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46 . 20 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44 . 47 सेकंड के साथ स्वर्ण और उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44 . 62 मीटर के साथ रजत पदक जीता।दक्षिण अफ्रीका के लीन्डर्ट के को कांस्य पदक मिला। महिलाओं की ऊंची कूद में पूजा ने 1 . 79 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1 . 79 मीटर की बाधा पार करने वाले को फाइनल में जगह मिली। पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने फाइनल में जगह बना ली। शाहनवाज क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7 . 79 मीटर की कूद के साथ चौथे और कुल पांचवें स्थान पर रहे जबकि जितिन 7 . 57 मीटर की कूद लगाकर 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में पूनम अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल 13वें स्थान के साथ फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

लिंक्डइन पर वायरल हो रही कहानी

BMW वाला युवक क्यों चला रहा ऊबर?

कभी-कभी जिंदगी में हमें सीख किसी बड़े मोटिवेशनल स्पीकर से नहीं, बल्कि किसी अनजान इंसान से मिल जाती है. मुंबई में एक बिजनेस फाउंडर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ.

उन्होंने जब उबर बुक की तो उन्हें लेने के लिए एक युवक BMW बाइक से पहुंचा. महंगी बाइक देखकर फाउंडर के मन में सवाल उठा कि आखिर इतनी महंगी बाइक रखने वाला युवक उबर क्यों चला रहा है. उन्होंने युवक से यही सवाल पूछ लिया. इसके बाद जो जवाब मिला, उसने उन्हें हैरान कर दिया. मुंबई के बिजनेस फाउंडर आशीष जैन ने अपनी एक उबर राइड का अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया. उन्होंने बताया कि शाम के समय उन्हें ऑफिस से गेस्ट हाउस

जाने के लिए उबर बाइक बुक करनी थी. काफी देर तक राइड नहीं मिली. आखिरकार करीब 8 बजकर 25 मिनट पर उनकी राइड कन्फर्म हुई. कुछ देर बाद जब ड्राइवर उन्हें लेने पहुंचा तो आशीष जैन उसे देखकर हैरान रह गए. वजह थी उसकी बाइक. युवक किसी सामान्य बाइक से नहीं बल्कि बीएमडब्ल्यू (BMW) बाइक से उन्हें लेने पहुंचा था. बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी बाइक देखकर उनके मन में स्वाभाविक रूप से सवाल आया कि अगर युवक के पास इतनी महंगी बाइक है तो वह उबर क्यों चला रहा है. उन्होंने युवक से पूछ लिया- भाई, आप उबर क्यों चला रहे हो." युवक ने जो जवाब दिया वह काफी अलग था.

लोगों से मिलना पसंद करता है युवक

युवक ने बताया कि उसे नए लोगों से मिलना और उनके साथ काम करना पसंद है. उसे इवेंट मैनेजमेंट में भी दिलचस्पी है.

इंटरव्यू में दिखाई ईमानदारी तो फाउंडर भी हुए कायल

'शनिवार को काम नहीं करूंगा, ऑफिस के बाहर भी लाइफ है'

आज के समय में नौकरी पाने के लिए ज्यादातर लोग इंटरव्यू में वही कहते हैं जो सामने वाला सुनना चाहता है.

लेकिन दिल्ली के एक 25 साल के युवक ने ऐसा नहीं किया. उसने इंटरव्यू के दौरान साफ शब्दों में कह दिया कि वह शनिवार को काम नहीं करेगा क्योंकि ऑफिस के बाहर भी उसकी अपनी लाइफ है. हैरानी की बात यह रही कि उसकी इस बात से नाराज होने के बजाय कंपनी के फाउंडर ने उसे नौकरी पर रख लिया. अब यह कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसे बदलती वर्क कल्चर की मिसाल बता रहे हैं.

66 लाख की नौकरी छोड़ रिसेप्शनिस्ट बनी महिला

आज के समय में ज्यादातर लोग अच्छी सैलरी और बड़े पद के लिए लगातार मेहनत करते हैं. लेकिन क्या होगा अगर वही नौकरी आपकी जिंदगी से खुशी छीन ले? ऑस्ट्रेलिया की ग्रेस मैक्लीलैंड (Grace McClelland) की कहानी इसी सवाल का जवाब देती है. उन्होंने करीब 66 लाख रुपये सालाना की नौकरी छोड़कर रिसेप्शनिस्ट बनने का फैसला किया. वजह सिर्फ एक थी- मानसिक शांति और बेहतर जिंदगी. ग्रेस ने रिटेल इंडस्ट्री में सेल्स एसोसिएट के तौर पर करियर शुरू किया. मेहनत के दम पर वह एक बड़े ब्रांड के फ्लैगशिप स्टोर की मैनेजर बन गईं. बाहर से

देखने पर उनका करियर शानदार लग रहा था, लेकिन हकीकत कुछ और थी. उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के साथ उन पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ता गया. लंबे वर्किंग आवर्स, रोज का सफर और हर समय खुद को साबित करने की कोशिश ने उन्हें मानसिक रूप से थका दिया.

रेस्टोरेंट चला रहे एलॉन मस्क?

चीन के शांक्सी प्रांत का एक बारबेक्यू शेफ अपने चेहरे की वजह से अचानक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. लोग उसे एलॉन मस्क का हमशक्ल बता रहे हैं और उसके साथ फोटो खिंचवाने के लिए रेस्टोरेंट पहुंच रहे हैं. हालांकि, अचानक मिली लोकप्रियता के बावजूद शेफ का कहना है कि वह इंटरनेट स्टार नहीं बनना चाहता और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहता है. दुनिया के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में से एक एलॉन मस्क का चेहरा लगभग हर कोई पहचानता है. लेकिन अगर आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो बिल्कुल एलन मस्क जैसा दिखता हो और वह किसी बड़ी कंपनी का मालिक नहीं बल्कि एक

साधारण रेस्टोरेंट में बारबेक्यू बनाने वाला शेफ हो, तो शायद आपको भी यकीन न हो. चीन में इन दिनों ठीक ऐसा ही हुआ है. चीन के शांक्सी प्रांत के तोंगचुआन शहर में रहने वाले 48 वर्षीय मा जियानपिंग अचानक सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं. लोग उन्हें 'चीन का एलॉन मस्क' कहकर बुला रहे हैं. वजह सिर्फ इतनी है कि उनका चेहरा और हाव-भाव दुनिया के मशहूर अरबपति एलन मस्क से काफी मिलते-जुलते हैं. 26 जुलाई को मा जियानपिंग का एक वीडियो चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डोयिन पर पोस्ट किया गया. वीडियो में वह अपने रेस्टोरेंट में ग्राहकों के लिए बारबेक्यू तैयार करते नजर आ रहे हैं.

आर. माधवन की 'GDN'

दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स, गोपालस्वामी नायडू के किरदार में छाए अभिनेता

आर. माधवन की नई बायोपिक ड्रामा फिल्म G D N आखिरकार सिनेमाघरों में आ गई है और दर्शकों के रिएक्शन से इतना तो साफ है कि फिल्म लोगों को बहुत पसंद आ रही है। 7 अगस्त को रिलीज होने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अपने रिव्यू शेयर किए और मशहूर आविष्कारक गोपालस्वामी दोराईस्वामी नायडू के किरदार को माधवन द्वारा बेहतरीन ढंग से निभाने की तारीफ की। एक महान व्यक्ति के रूप में उनके ट्रांसफॉर्मेशन से लेकर फिल्म की दिलचस्प कहानी तक, शुरुआती दर्शकों के बीच एक्टर की परफॉर्मेंस फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक रही है।एक ट्विटर यूजर ने फिल्म को बेहतरीन बताया और लिखा, 'एक महान आविष्कारक की बेहतरीन बायोपिक, जिन्हें शायद भारत भूल चुका है – G D N a i d u l उनके आविष्कारों के अलावा, फिल्म में ब्रिटिश और भारतीय टैक्स अधिकारियों के खिलाफ उनकी लड़ाई को भी दिखाया गया है।शुरू से आखिर तक बहुत दिलचस्प ActorMadhavan ने मुख्य भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने 25 साल से 75 साल की उम्र के बीच के बदलावों को बेहतरीन ढंग से दिखाया है। officialdushara ने उनका अच्छा साथ दिया है।' एक यूजर ने अपने रिव्यू में एक्टर की तारीफ करते हुए लिखा, 'ActorMadhavan सर, लगातार ऐसी फिल्में लाने के लिए आपका बहुत-बहुत सम्मान। इस दिग्गज के बारे में अभी और भी बहुत कुछ जानना बाकी है।'

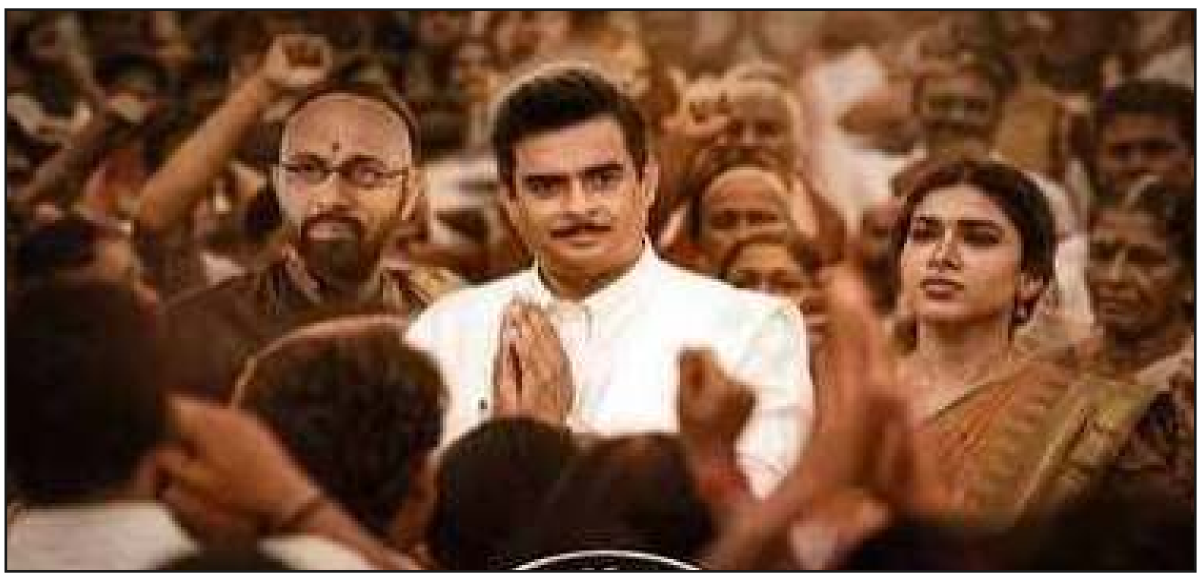

एक और यूजर ने लिखा, 'GDN बेहतरीन भारतीय सिनेमा का एक शानदार उदाहरण है। मैडी, आपका शुक्रिया कि आपने ऐसी कहानियां चुनीं जो उन भारतीयों को हमारी सामूहिक यादों में वो जगह दिलाती हैं, जिसके वे हकदार हैं। आपने जो बनाया है, उस पर गर्व है और भी ज्यादा गर्व इस बात पर है कि आपने जो रास्ता चुना है और उसे इतनी खूबसूरती से पेश किया है।' साउथ एक्टर सुर्या ने आर माधवन की GDN को रिव्यू देते हुए लिखा, 'प्रिय भाई, ActorMadhavan आप जो भी करते हैं, उसमें हमेशा बेहतरीन स्टैंडर्ड बनाए रखने की कोशिश करते हैं - GDN आपके शानदार किरदारों की लिस्ट में एक और उपलब्धि है। पूरी टीम को भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' आर. माधवन के अलावा, GDN में सत्यराज, प्रियामणि, जयराम और दुशारा विजयन जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर गोविंद वसंत ने तैयार किया है, जबकि अरविंद कमलानाथन सिनेमैटोग्राफर हैं। एडिटिंग का काम बिजीत बाला ने संभाला है।

लखनऊ में कल निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा,

मुख्यमंत्री आवास से विधानसभा तक दिखेगा राष्ट्रभक्ति का रंग

स्वतंत्रता दिवस से पहले लखनऊ में भाजपा भव्य तिरंगा यात्रा निकालेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत वरिष्ठ नेता, मंत्री, कार्यकर्ता और सहयोगी दलों के विधायक शामिल होंगे। यात्रा राष्ट्रभक्ति और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश देगी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले भारतीय जनता पार्टी राजधानी लखनऊ में भव्य तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रभक्ति, एकता और देश के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देगी। रविवार, 9 अगस्त को सुबह 8:30 बजे मुख्यमंत्री आवास से विधानसभा तक प्रस्तावित इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा सरकार और संगठन के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यात्रा का नेतृत्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी करेंगे। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार यात्रा का आयोजन 5, कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास से विधानसभा तक किया जाएगा।तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के भी शामिल होने का कार्यक्रम है। प्रदेश सरकार के मंत्री, भाजपा के प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी यात्रा में हिस्सा लेंगे। पार्टी संगठन की ओर से यात्रा को व्यापक और प्रभावशाली बनाने के लिए कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।भाजपा ने इस आयोजन में अपने सहयोगी दलों को भी साथ जोड़ा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (N D A) में शामिल सहयोगी दलों के विधायक भी तिरंगा यात्रा में भाग लेंगे। इससे यात्रा में भाजपा के साथ उसके सहयोगी दलों की संयुक्त भागीदारी दिखाई देगी। पार्टी की तैयारी है कि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हों और राजधानी की सड़कों पर देशभक्ति का संदेश दें।तय कार्यक्रम के अनुसार यात्रा मुख्यमंत्री आवास से शुरू होकर विधानसभा तक पहुंचेगी। इस दौरान कार्यकर्ता तिरंगा लेकर पैदल चलेंगे। आयोजन को स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्र के प्रति सम्मान और नागरिकों में राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने वाले अभियान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा इससे पहले भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्राओं और 'हर घर तिरंगा' जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना से जोड़ती रही है।पार्टी के स्तर पर इस यात्रा को केवल राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रम के रूप में ही नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता प्रदर्शित करने के अवसर के तौर पर भी देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, भाजपा संगठन के पदाधिकारियों और NDA के सहयोगी दलों के नेताओं की एक साथ मौजूदगी से पार्टी राजधानी में अपनी राजनीतिक एवं सांगठनिक ताकत का भी प्रदर्शन करेगी।स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले होने वाली इस यात्रा के जरिए भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और तिरंगे के सम्मान का संदेश पहुंचाने की कोशिश करेगी। मुख्यमंत्री आवास से विधानसभा तक निकलने वाली यात्रा के कारण राजधानी में सुबह के समय राजनीतिक और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी गतिविधियों का माहौल देखने को मिलेगा।

अखिलेश पर बरसे ब्रजेश पाठक

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के भाजपा पर ब्राह्मणों को निशाना बनाए जाने के आरोप के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पलटवार किया है। उन्होंने अखिलेश यादव पर ब्राह्मण समाज का हितैषी होने का दिखावा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आरोप तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट के जरिए अखिलेश यादव को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बहस में विचारों का जवाब विचारों से दिया जाना चाहिए, न कि कटुता या बिना आधार के आरोपों से। डिप्टी सीएम ने अखिलेश के ब्राह्मण समाज से जुड़े बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष आज इस वर्ग के हितैषी बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके पुराने बयानों और राजनीतिक रवैये को समाज भूला नहीं है। ब्रजेश पाठक ने समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी पर परिवारवाद का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि लोहिया परिवारवाद के विरोधी थे, लेकिन आज उन्हीं के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी में सत्ता और संगठन के आसपास एक ही परिवार का प्रभाव दिखाई देता है। पाठक ने तंज कसते हुए कहा कि अगर लोहिया आज होते तो परिवारवाद को राजनीति का आधार बनाने वालों से जरूर सवाल करते।

मृत मछलियों से सीताकुंड में दुर्गंध, नगर निगम की लापरवाही पर भड़का व्यापार मंडल

पारा के बुद्धेश्वर मंदिर परिसर के सीताकुंड में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने के बाद उन्हें दूसरे दिन शनिवार को भी वहां से नहीं हटाया गया। इससे लोगों और व्यापार मंडल में नगर निगम के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मृत मछलियां कुंड के किनारे और पत्थरों पर पड़ी रहीं। इससे मंदिर परिसर में तेज दुर्गंध फैल गई है, जिससे दर्शन-पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और आसपास के दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मछलियों के मरने की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर निगम को सूचना दी थी। उसके बाद नगर निगम को सूचना दी थी। इस मामले में नगर निगम के सफाई निरीक्षक रामचंद्र यादव ने कहा- सीताकुंड में ऑक्सीजन की कमी के कारण हर साल मछलियों के मरने की समस्या सामने आती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर में शिवलिंग पर

चढ़ाए जाने वाले पदार्थ सीधे तालाब में जाने से पानी में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे मछलियों की मौत होती है। उन्होंने जल्द ही सफाई कर्मचारियों को भेजकर मृत मछलियों को हटवाने और कुंड की सफाई कराने का आश्वासन दिया था। बुद्धेश्वर व्यापार मंडल के महामंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बुद्धेश्वर मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर में मृत मछलियों का पड़ा रहना और दुर्गंध फैलना अस्वीकार्य है। नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठता है।

लखनऊ रिंग रोड पर हादसा

लखनऊ रिंग रोड पर शनिवार सुबह 10:30 बजे एक डंपर ने मिड-डे मील ले जा रहे छोटा हाथी वाहन को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना काकोरी थाना क्षेत्र के चिलौली अंडरपास के ऊपर करीब 8 बजे हुई। टक्कर लगने पर छोटा हाथी वाहन पलट गया, जिससे उसमें रखा मिड-डे मील और उसके बर्तन सड़क पर बिखर गए। हादसे में छोटा हाथी वाहन का सहायक राहुल (35) निवासी गद्दीमनखेड़ा थाना सरोजनीनगर घायल हो गया। उसे तुरंत एंबुलेंस की मदद से टीएस मिश्रा अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में अन्य किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि डंपर (संख्या UP79 AT 7688) महोबा से लखीमपुर खीरी जा रहा था, जिसे सीतापुर निवासी सतीश कुमार (40) चला रहे थे। वहीं, मिड-डे मील ले जा रहा छोटा हाथी (संख्या UP32 LN 0585) अमौसी से बख्शी का तालाब की ओर जा रहा था। चिलौली अंडरपास के ऊपर डंपर ने छोटा हाथी में पीछे से टक्कर मारी थी। दुर्घटना के कारण सड़क पर मिड-डे मील के बर्तन और ड्रम बिखर गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क को साफ कराया। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को रिंग रोड से हटाकर सर्विस रोड के किनारे खड़ा किया गया है। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डंपर के ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

लखनऊ समेत यूपी में झमाझम बारिश

मौसम विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा कि राजधानी लखनऊ सहित मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में बीते कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही वर्षा ने लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है। दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि सुबह और शाम के समय मौसम काफी सुहावना बना हुआ है। खेतों में पर्याप्त नमी पहुंचने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। धान, मक्का, अरहर, उड़द, तिल और अन्य खरीफ फसलों के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही है। हालांकि, लगातार वर्षा के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई है। नगर निकायों के लिए जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखना चुनौती बन गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार वर्षा जारी रही तो शहरी क्षेत्रों में जलभराव और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे नालों तथा नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के दौरान विशेष रूप से दक्षिणी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। मानसूनी प्रवाह के और अधिक सुदृढ़ होने से प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, कौशांबी, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी सहित आसपास के जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भी मध्यम से भारी वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना व्यक्त की गई है।

हजरतगंज में चाकू चले, भीड़ ने दो आरोपियों को दबोचा

लखनऊ के हजरतगंज थाने के सामने शुक्रवार शाम एक दुकान के सामने झगड़ा होने लगा। इसे रोकने पर एक युवक को कुछ लोगों ने पेट में चाकू घोंप दिया। उस युवक को उसके साथी और दुकान मालिक बचाने पहुंचे तो उन पर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने दो आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि अन्य आरोपी भाग निकले। उदयगंज के हाता गनी खां निवासी अब्दुल साजिद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शाम करीब 7 बजे अपने साथी साजिद अली के साथ कार से लालबाग स्थित ब्राइट एसोसिएट्स की दुकान पर काम कराने पहुंचा था। साजिद अली कार के पास सड़क पर खड़ा था। इसी दौरान वहां कुछ लोग आपस में झगड़ रहे थे। साजिद अली ने उन्हें झगड़ा करने से मना किया। आरोप है कि इससे नाराज होकर झगड़ रहे लोगों ने साजिद अली से कहा कि उसका दिमाग ज्यादा खराब है। आरोपियों ने यह भी कहा कि अगर शहर में नाम पैदा करना है तो कुछ अलग करना पड़ेगा। इसके बाद सभी ने सभी ने साजिद अली को पकड़ लिया और धारदार चाकू से उसके पेट में वार कर दिया। साजिद अली के चीख सुनकर अब्दुल साजिद और दुकान मालिक परवेज बाहर आए। हमलावरों ने उन दोनों पर भी चाकू से हमला कर दिया।

इस दौरान परवेज को भी चाकू लग गया। इसके बाद आरोपी चाकू लहराते हुए मौके से भागने लगे। शोर सुनकर आसपास भीड़ जमा हो गई। अब्दुल साजिद और स्थानीय लोगों ने भाग रहे दो आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुफरान और अमन के रूप में हुई है। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके साथ टोनी, आहद, साऊद उर्फ चवन्नी, हमजा, मंसूर और शाहिल उर्फ उल्लू भी थे। इनके अलावा कुछ अन्य अज्ञात लोग भी घटना में शामिल थे। ये सभी आरोपी जमाल की दुकान पर काम करते हैं। अब्दुल साजिद ने दोनों पकड़े गए आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद घायल साजिद अली और दुकान मालिक परवेज को सिविल अस्पताल ले जाया गया। साजिद अली की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामले में इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह का कहना है मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है।

tv भारतवर्ष

उन्नाव में बहू-बेटी सम्मेलन, परिवार जोड़ने की पहल

रिश्तों की डोर मजबूत करने गांव पहुंची पुलिस

उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के सराय कटिहार गांव में शनिवार दोपहर को प्राथमिक विद्यालय और ग्राम सचिवालय में बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा परिवारों में आपसी सौहार्द बढ़ाना था। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी दही ज्ञानेंद्र सिंह और महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसमें बड़ी संख्या में सास-बहू, ननद-भौजाई और मां-बेटियों ने भाग लिया। प्राथमिक विद्यालय में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, उनकी टीम और प्रधानाध्यापिका ने औषधीय पौधा रोपित किया। इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का संदेश भी दिया गया। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ गांव की महिलाओं को महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद ग्राम सचिवालय में ग्राम प्रधान नरेंद्र सुनील साहू के सहयोग से चौपाल आयोजित हुई। थाना दही की महिला आरक्षियों मांडवी, प्रिया, नेहा, अनामिका, सोनम और पूजा चौधरी ने अधिक से अधिक महिलाओं को कार्यक्रम में शामिल कराया। चौपाल में सास-बहू, मां-बेटी और ननद-भौजाई के रिश्तों को मजबूत बनाने पर

विशेष जोर दिया गया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह और डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने महिलाओं को पारिवारिक रिश्तों में प्रेम और सम्मान बनाए रखने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सास को मां और बहू को बेटी का दर्जा दिया जाए। यदि परिवार में शुरुआत से ही एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और विश्वास बना रहेगा तो विवाद की स्थिति कम होगी और परिवार खुशहाल रहेगा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को शासन के मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए और शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को किसी भी समस्या की स्थिति में बेझिझक पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया। आगामी 15 अगस्त को लेकर हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम प्रधान के सहयोग से महिलाओं और ग्रामीणों को तिरंगे वितरित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिला सुरक्षा, पारिवारिक सौहार्द और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए जागरूकता के साथ समाज की भागीदारी भी जरूरी है।

राजकीय सम्मान के साथ लोकतंत्र सेनानी विजय पाल को अंतिम विदाई

उन्नाव के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर निवासी लोकतंत्र सेनानी विजय पाल (72) का शुक्रवार रात बीमारी के कारण निधन हो गया। शनिवार दोपहर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान एसडीएम शालिनी तोमर, सीओ तेज बहादुर सिंह और प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने लोकतंत्र सेनानी विजय पाल को गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर स्थानीय विधायक बृजेश रावत ने विजय पाल को कंधा दिया। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम रावत, समरजीत यादव, विजय सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मृतक के पुत्र सोनू, मोनू और राजन सहित अन्य परिजनों का इस दौरान बुरा हाल था।

अंडरपास डूबा तो रेलवे क्रॉसिंग बना मौत का रास्ता

उन्नाव के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक युवक की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। अंडरपास में पानी भरा होने के कारण युवक रेलवे क्रॉसिंग से पटरी पार कर रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। माऊफपुर गांव निवासी कन्हैया लाल उर्फ मल्लिंगा (36) पुत्र श्रवण कुमार शुक्रवार देर रात सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। लगातार बारिश के कारण फतेहपुर चौरासी स्थित अंडरपास में पानी भर गया था, जिससे आवागमन बाधित हो गया था। अंडरपास से निकलने में परेशानी होने के कारण कन्हैया लाल ने रेलवे क्रॉसिंग से पटरी पार करने का प्रयास किया। इसी दौरान कानपुर से बालामऊ की ओर जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मृतक के परिजनों को सूचित किया। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के बाद अंडरपास में काफी पानी भर जाता है, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है। इसी वजह से कन्हैया लाल ने भी अंडरपास के बजाय रेलवे क्रॉसिंग का रास्ता चुना था। मृतक कन्हैया लाल अपने पीछे पत्नी ज्योति, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। इस घटना से परिवार पर संकट आ गया है।

खाद की कालाबाजारी पर शिकंजा, 48 दुकानों पर छापेमारी; तीन लाइसेंस निलंबित

उन्नाव में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने शनिवार को जिलेभर में उर्वरक दुकानों पर सघन छापेमारी की। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित चार टीमों ने कुल 48 उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान संदिग्ध स्टॉक से उर्वरक के सात नमूने लिए गए। वहीं, बिना पूर्व सूचना के दुकान बंद मिलने पर तीन प्रतिष्ठानों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। प्रमुख सचिव कृषि के आदेश के अनुपालन में जिले में यह जांच अभियान 4 अगस्त से चलाया जा रहा है। शनिवार को सदर और हसनगंज तहसील में उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश और संबंधित उपजिलाधिकारियों के नेतृत्व में टीमों ने उर्वरक दुकानों की जांच की। पुरवा और बीघापुर तहसील में जिला कृषि अधिकारी शशांक ने एसडीएम के साथ निरीक्षण किया। बांगरमऊ तहसील में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए अनुराग कुमार और सफीपुर तहसील में कृषि रक्षा अधिकारी भीमसेन ने संबंधित उपजिलाधिकारियों के साथ उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धनीखेड़ा स्थित वर्मा खाद केंद्र, पाटन स्थित किसान बीज भंडार और बीघापुर स्थित गुप्ता खाद भंडार बिना किसी पूर्व सूचना के बंद मिले। इस पर तीनों प्रतिष्ठानों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। संयुक्त टीमों ने कई प्रतिष्ठानों के स्टॉक की भी जांच की। संदिग्ध उर्वरक के सात नमूने लेकर उन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया कि किसानों को खाद का वितरण केवल पीओएस मशीन के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री के अनुसार किया जाए। प्रत्येक दुकान पर स्टॉक बोर्ड और रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने को कहा गया है। स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर के साथ कैश मेमो भी व्यवस्थित रूप से उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उर्वरक की बिक्री और स्टॉक की स्थिति की पारदर्शी तरीके से जांच की जा सके।

बारिश में भी नहीं थमे कदम, 'बोल बम' से गूंजा उन्नाव

उन्नाव में सावन के शनिवार को बारिश के बीच गंगा घाटों पर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों कांवड़ियों ने आनंद घाट पर गंगा स्नान कर पवित्र जल भरा और पैदल कांवड़ यात्रा के लिए रवाना हुए। श्रद्धालु हरदोई जिले के अतरौली क्षेत्र स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर तक करीब 121 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करेंगे। गंगा घाट से लेकर आसपास के इलाकों तक 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। कांवड़ियों के जत्थे में युवा से लेकर बुजुर्ग तक शामिल रहे। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। कांवड़ उठाए शिवभक्त लगातार अपने गंतव्य की ओर बढ़ते रहे। हरदोई के अतरौली क्षेत्र निवासी गोकुल प्रसाद ने बताया कि यह उनकी 26वीं कांवड़ यात्रा है। वह पिछले 26 वर्षों से गंगा घाट से जल लेकर सिद्धनाथ बाबा मंदिर जाते हैं। इस बार उनके जत्थे में करीब एक हजार कांवड़िए शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रास्ते में श्रद्धालुओं के लिए सेवा और विश्राम की व्यवस्था रहेगी। सिद्धनाथ बाबा मंदिर पहुंचने के बाद सभी कांवड़िए भगवान शिव का गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद छप्पन भोग अर्पित कर भगवान का श्रृंगार किया जाएगा और प्रसाद वितरण होगा। गोकुल प्रसाद ने कहा कि यात्रा में शामिल हर श्रद्धालु की अपनी अलग मनोकामना है। सभी भोलेनाथ से मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करेंगे। हिमांशु ने बताया कि उनके गांव से करीब 800 से 900 श्रद्धालु गंगा घाट पहुंचे हैं। सभी गंगाजल भरकर करीब 121 किलोमीटर दूर सिद्ध बाबा मंदिर के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। मंदिर पहुंचने के बाद भगवान शिव को गंगाजल अर्पित किया जाएगा। कन्नौज क्षेत्र से आए आदर्श ने बताया कि उनका जत्था काफी वर्षों से गंगा घाट से जल लेकर सिद्धनाथ बाबा मंदिर जाता है। इस बार भी श्रद्धालु पैदल यात्रा पर निकले हैं। करीब 121 किलोमीटर की यात्रा तीन दिन में पूरी करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि रास्ते में दो स्थानों पर कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। शनिवार सुबह बारिश होने के बावजूद कांवड़ियों ने यात्रा नहीं रोकी। बारिश के बीच कांवड़ लेकर निकल रहे श्रद्धालुओं के चेहरे पर उत्साह नजर आया। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा माहौल गूंजता रहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि मौसम चाहे जैसा हो, भोलेनाथ के प्रति आस्था उन्हें यात्रा पूरी करने की शक्ति देती है।

जनता की चौपाल में पहुंचे विधायक, सुनीं समस्याएं और दिए समाधान के निर्देश

बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार ने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसमस्या निवारण कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने विधायक को सड़क, बिजली, पानी, नाली और राजस्व संबंधी विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। विधायक श्रीकांत कटियार ने संबंधित अधिकारियों से संवाद किया और जनसमस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, पात्र लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर विधायक ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधायक ने जोर दिया कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर विधायक के समक्ष खुलकर अपनी बात रखी, जिस पर उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कांवड़ियों के स्वागत में सीएम योगी ने की पुष्पवर्षा, हेलीकॉप्टर से लिया यात्रा का जायजा

मेरठ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। उन्होंने हवाई सर्वेक्षण से व्यवस्थाएं परखीं और शिवभक्तों को सामाजिक एकता, समर्पण और राष्ट्रीय अखंडता की मिसाल बताया।

सावन के पवित्र महीने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ में कांवड़ियों और शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। इससे पहले दिन में सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए हेलीकॉप्टर से मेरठ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया। इस दौरान शिव चौक पर उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मेरठ में एक प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन के महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा पूरी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ रही है। शिवभक्त हरिद्वार की 'हर की पौड़ी' से पवित्र जल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से सभी कांवड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सीएम योगी ने उम्मीद जताई कि सावन शिवरात्रि के समय तक करीब 4 से 4.5 करोड़ श्रद्धालु शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से पवित्र जल लेकर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अभी मेरठ पहुंचे हैं जहां मुझे कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपनी भक्ति के अलावा समर्पण, सामाजिक एकता, समानता और राष्ट्रीय अखंडता की एक बेहतरीन मिसाल पेश कर रहे हैं। कांवड़िए जाति प्रांत और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर भगवान शिव को अपनी हर सांस समर्पित करते हुए इस कठिन यात्रा को पूरा कर रहे हैं। सावन के दौरान हर साल देश-भर से लाखों श्रद्धालु अपनी गहरी आस्था के साथ भगवान शिव को पवित्र जल चढ़ाने के लिए यह आध्यात्मिक कांवड़ यात्रा निकालते हैं। हिंदू धर्म में श्रावण या सावन महीने का बहुत अधिक महत्व है। माना जाता है कि यह भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है और इसमें शिव की पूजा-अर्चना करने से सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस साल सावन का यह पवित्र महीना 30 जुलाई से शुरू हुआ है और 28 अगस्त को समाप्त होगा।

देवरिया में SP की कड़ी फटकार, बोले—केस वर्कआउट करो, आरोपी पकड़ो

देवरिया में अपराध समीक्षा बैठक के दौरान SP देवरिया अभिजित आर. शंकर ने बढ़ते अपराध वाले थानों के प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने सीधे लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि छोटी या बड़ी किसी भी घटना में पुलिस सिर्फ कागजी खानापूर्ति न करे, केस का निस्तारण कर वर्क आउट किया जाए और आरोपियों की गिरफ्तारी कर पीड़ितों को न्याय दिया जाए। इन मामलों में लापरवाही सामने आने पर संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार रात हुई अपराध समीक्षा गोष्ठी में SP काफी सख्त लहजे में दिखे उन्होंने पशु और शराब तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। बिहार सीमा से सटे थानों के प्रभारियों को विशेष रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि उनके क्षेत्र से पशु तस्करी की शिकायत मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। शराब तस्करों के खिलाफ भी लगातार अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सावन माह को देखते हुए सभी शिवालयों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और कांवड़ मार्गों पर शिवभक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं महिला एवं बाल अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए गुणवत्तापूर्ण विवेचना और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। शांति भंग करने वालों के खिलाफ भी सख्ती के निर्देश दिए गए।

गंगा का जलस्तर उफान पर, कानपुर में बाढ़ का खतरा बढ़ा

कानपुर में गंगा के जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी ने कानपुर और आसपास के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। सुबह बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, कानपुर गंगा बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.410 मीटर पहुंच गया, जो इस मानसून सीजन का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने अटल घाट को आम लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। घाट के मुख्य प्रवेश द्वार पर बैरिकेडिंग कर पुलिस बल तैनात किया गया है। गंगा में बढ़ते जलस्तर के पीछे हरिद्वार और नरोरा बैराज से छोड़ा जा रहा भारी मात्रा में पानी प्रमुख कारण है। आंकड़ों के मुताबिक हरिद्वार बैराज से 1,61,512 क्यूसेक और नरोरा बैराज से 1,24,173 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। दोनों बैराज से कुल 2,85,685 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से कानपुर में गंगा का दबाव बढ़ा है। कानपुर गंगा बैराज से भी डिस्चार्ज बढ़ाकर 2,74,985 क्यूसेक कर दिया गया है। सामान्य दिनों में यहां से करीब एक लाख क्यूसेक के आसपास पानी छोड़ा जाता है। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर सुबह 112.060 मीटर दर्ज किया गया। यहां चेतावनी बिंदु 113.000 मीटर और खतरा बिंदु 114.000 मीटर है। इस तरह गंगा चेतावनी बिंदु से करीब एक मीटर नीचे बह रही है। जलस्तर जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे तटीय गांवों और निचले इलाकों में पानी घुसने की आशंका जताई गई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार अगले 24 से 48 घंटे में जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। इसी को देखते हुए कानपुर के निचले क्षेत्रों के साथ डाउनस्ट्रीम में प्रयागराज और वाराणसी तक तटीय इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

गांव-गांव पुलिस की नजर, 301 चौकीदारों को मिली साइकिल

गोंडा पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपने सूचना तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। शनिवार, 8 अगस्त 2026 को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में एसपी विनीत जायसवाल ने जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तैनात 301 पुलिस चौकीदारों को साइकिल वितरित की। पुलिस चौकीदार ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस और आम लोगों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। गांवों में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही ये कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उन्हें साइकिल मिलने से उनके कामकाज को और आसान बनाने की उम्मीद है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने चौकीदारों से संवाद करते हुए उन्हें अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमणशील और सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, संदिग्ध गतिविधि, विवाद या कानून-व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित थाना पुलिस को इसकी सूचना दी जाए। साइकिल वितरण का मुख्य उद्देश्य चौकीदारों के कार्य क्षेत्र में आवागमन को आसान बनाना है। ग्रामीण इलाकों में कई जगहों पर दूरी अधिक होने के कारण चौकीदारों को आने-जाने में परेशानी होती है। साइकिल मिलने से वे अपने क्षेत्र में ज्यादा आसानी से पहुंच सकेंगे। पुलिस विभाग का मानना है कि चौकीदारों की सक्रियता बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच और सूचना तंत्र दोनों मजबूत होंगे। चौकीदार गांव में होने वाली गतिविधियों की जानकारी समय रहते पुलिस तक पहुंचा सकेंगे। जिससे अपराध की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।